9年级语文第40课时《见解独特：让表达更有创意些》课时作业

|  |  |
| --- | --- |
| 老师的表现 | 学生的反应 |
| 王老师挤进门，快速站到讲台上。 | 大吃一惊，更安静了。 |
|  | 弯腰，摇头，挤眉，弄眼，一齐哄堂大笑。 |
|  | 惊讶发呆。 |
| 王老师写出自己的大名。 |  |
| 王老师写出并介绍自己的绰号。 | 全班男女生哄堂大笑。 |
| 王老师请大家上台画圆和等边三角形。 | 同学们轮番走上讲台；人人都笑得满脸泪水，喉咙发肿。 |
|  | 满教室鸦雀无声。 |

1. 阅读《王几何》一文，完成下面的表格。
2. 概括总结王老师的独特之处。
3. 阅读《王几何》一文，请概括出文章哪些方面的表达有创意，填在下面的表格中。

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| 题目 | 独特见解 | 创意角度 | 　 |
| 立意 | 选材 | 角度 | 语言 | 形式 | 　…… |
| 　王几何 | 　 | 　 | 　 | 　 | 　 | 　 | 　 |

4. 在我们身边不乏尽职尽职、独具特色的老师，请你仔细观察、认真思考，运用我们学习的“创意地表达”的方法，描绘出某一个老师幽默、风趣、敬业、可爱……的独特之处吧。300字左右。

（请抓住每位老师的“独特”之处）

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

200

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

【附录】例文备览

王几何

马及时

从小学跨进初中校园，一切都是新鲜的，特别是几何那门全新的功课。所以，我们初一上第一节几何课时，大家睁圆了眼睛，认真而安静地坐在教室里，心中充满了好奇和渴望。

几何老师会是怎样一个人呢?

铃声一响，全班42双黑眼睛一齐望向教室门。须臾，一个头方耳大、矮胖结实的中年人夹着一本厚书和一个大圆规、一个大三角板挤进门，眨眼工夫就站到了讲台上。胖人能走这么快?全班同学大吃一惊，教室里更安静了，静得只听见周围深沉的呼吸。

可是，一分钟过去了，那矮胖老师一句话不说，像一尊笑面佛一样，只是站在讲台上哑笑。眉梢、眼角、鼻孔、嘴巴、耳朵，可以说。他脸上的每一个器官，每一条皱纹，甚至每一根头发都在微笑!

矮胖老师足足又哑笑了两分钟。

太神奇了，他该不是聋哑学校的老师吧?全班同学再也忍不住了，大家弯腰，摇头，挤眉，弄眼，一齐哄堂大笑!

矮胖老师依然不说一句话，但却渐渐收起了笑容，用黑板刷轻轻敲击着讲台上的课桌，待全班同学安静下来，他突然面向课堂，反手在背后的黑板上徒手画了一个篮球大的圆，紧接着，又反手画了一个等边三角形。

那生动地站在黑板上的圆和等边三角形又标准，又好看，于是全班同学都呆呆地想:用圆规和三角板画，恐怕也不过如此吧?

矮胖老师站在讲台上，双目含笑，右嘴角微微斜翘，胖脸上一副得意扬扬的表情。待全班42双黑眼睛惊讶得每一双都放大半公分后。他突然转过身去，面向黑板，挥手写下了排球大的三个字:王玉琳。

“这就是我的大名!”他说，声音出奇的洪亮。

全班男女同学被他那金属般的声音镇住了，大气也不敢出，一个个睁大双眼，屏息静听。

“上几届的同学。承蒙他们的特别关爱，私下里给本老师取了个绰号。”矮胖老师缓缓转过身去，挥手在黑板上优雅地又写了三个大字:王几何。

真是太幽默了，全班男生、女生哄堂大笑。

王老师却毫不理会满教室的笑声，继续用他那金属般的声音说:“这就是那些老同学给我取的绰号。天啦，本人太喜欢这美妙的绰号了!可惜，从来没有一个同学当面喊我王几何……”

老师在黑板上公布自己的绰号，并且希望大家以绰号相称，在那些做什么事都严肃认真、呆板教条的年代，这样的稀奇事，不是太离谱了么?但少年时代总是充满了叛逆，越离谱的事大家越喜欢，于是全班同学兴趣高涨。

一个个洗耳恭听这矮胖幽默的绰号叫“王几何”的老师到底还要说些什么有趣的话。

矮胖老师继续用黑板刷轻敲课桌，以镇住教室里的嘈杂声。“上几届有的同学说:王老师你画的那圆圈有啥了不起?我们也会画!”

胖得像弥勒佛一般的王老师，站在讲台上眉开眼笑:“现在，我就请同学们一个个上台来，用不着反手，只是正面徒手画圆和三角形……”

简直要让人笑破了肚子，几何课竟变成了图画课!

如此喜剧的事大家岂肯放过?转眼间，只见男女同学轮番走上讲台。

可是，大家哪里是用粉笔在黑板上画圆和画三角形?笑得双手发抖的同学们，一个个变得笨手笨脚，画的全是鸡蛋、鸭蛋、苹果、梨和丑陋的三角架!

人人都笑得满脸泪水，喉咙发肿。

几十年后。我依然可以对天发誓:这是我这辈子笑得最得意忘形、最舒畅、最厉害的一次。

几何老师在同学们快乐得泪流满面的大笑中结束了第一堂课。

王老师下课前的结束语是:“请注意，我并不是要大家死板地学我画圆、画三角形。我教了20多年中学几何，是一个一辈子热爱几何教学的教书匠，我反手画圆，只是向大家说明一个简单朴素的道理--只要功夫深，铁杵可以磨成针!我要大家牢记的是一种热爱知识和持之以恒的学习精神……”

奇怪的是，王老师说这番话时，竟第一次严肃得面无一丝笑容。一时间满教室鸦雀无声。

同学们对王老师第一堂课的评价只有两个字:痛快!

这堂课的喜剧效果让42个中学生一辈子铭记在心，让42个少年永远记住他们的中学时代:有一位业务水平极高、人人都盼望他上课的幽默风趣的老师，他的名字叫做王玉琳，绰号叫做王几何。